

[illegible]

कां॥ ॥ जे० किनि शिवि चका कणाय ड ४ अस्तुय रुदू ॥ दश
दिग्धमर्त॥ जे० जंजीं रुदू व ड य ड ल स्वा हा ॥ वजी क न व
॥ जे० यलम कूल कूलम व ल जंजीं रुदू स्वा हा ॥ दश मिः
दात्र॥ ॥ जे० किनि शिवि चका कणाय ड ४ अस्तुय रुदू ॥ जे०
नमा र ग व गि ड क म ला य जंजीं अं गु हा ये या यू ॥ जे० अं कू डि

काये कू ल दी या ये जंजीं ग ऊ न्ये या यू ॥ जे० जंजीं रुदू व व न गि व ड
घा म भ मा ये या यू ॥ जे० घा न अ घा गा मू खा व डू नू या ये ड ग्रा
अ ना मि का ये या यू ॥ जे० अं चं चं म डं गा नि का ये जंजीं का निः
हा ये घा या यू ॥ जे० किनि शिवि चका कणाय ड ४ क न ग ला ये या
यू ॥ क न न्या म ॥ ॥ जे० न मा र ग व गि घा उ ड व का ये या यू

॥ जे जे कुं कुं कुं काये प्रायुर्व व काये यायू ॥ जे जे जे जे व व व व
त्रनिषे प्रादक्षिणव काये यायू ॥ जे जे प्रात्र जूधा नाम स्त्रिव दू
नूयाये प्राउ रुत्र व काये यायू ॥ जे जे कां कां मरुंगा त्रिकाये प्रा
याश्चि मव काये यायू ॥ जे जे कि नि शविष्ठ काय मा यत्र व काये
यायू ॥ व रुं न्यास ॥ ॥ जे जे न मा र ग व नि द क म लाये जां प्राः

हृदयाय यायू ॥ जे जे कुं कुं कुं काये कृतदा याये जां निरस स्या
हा ॥ जे जे जे जे व व व व त्रनिषे कां निखाये वो म ह ॥ जे जे प्रा
त्र जूधा नाम जूधा नाम स्त्रिव दू नूयाये जां प्रा क व वाये दू ॥ जे जे
कां कां मरुंगा त्रिकाये जां न ग ग याये व म ह ॥ जे जे कि नि शवि
ष्ठ काय मा ये क ४ जू काये रु ह ॥ जू ग न्यास ॥ जे जे रु निखा हा

नयायू॥ जे० संमित्र लान याइका॥ जे० संललाठ याइका॥ जे० सं
मं वक्रा ययायू का॥ जे० संलंद दयाय याइका॥ जे० संवेनाशो याइका
॥ जे० संवेगुं याइका॥ जे० संयं जानो याइका॥ जे० संडुं याद दथ या
इका॥ नया साद रु न्या स ॥ ॥ नगा जल या ग यूजा॥ जे० संजलः
या ग स्रिय याइका॥ जे० सं  ज्ञान नद ग फिरो व वान नद

वीना धियय मूं धी जल या ग र दाय काय याइका॥ जे० संकाद
दयादि स ॥  म ग ॥ आ वा रु ना दि धन मूं डां दर्शय ग ॥
ग य जी॥ जे० सं कृति काये विमरु कूल दायाये धाम ही ग न
४ कृति यथा दया ग ॥ ॥ मि जल या ग यूजा॥ ॥ नगा जूर्य या
ग यूजा॥ जे० संकांजीं डूं य मूं न १ या न १ ग व ग नू १ नू य व ग १ य व

ग२क२रु२वम२दम२शिव२द्यागय२विद्यागय२विद्यि२दं
 ३रु२का२मीम२हाका२मा२त्रिका२विद्यया२दुका॥ जं० मं० आनः
 न० कि० ले० वान० न० द्या० म० हा० वि० द्या० ना० ऊ० ध० नी० द्या०
 ध्या० य० ल० हा० व० का० य० या० दु० का॥ जं० का० रु० द० या०
 उ० मन० यू० जा॥ आ० वा० रु० ना० दि० या० नि० मू० डा० द० ग० थ०
 दू० न॥ ॐ० मि०

अ० र्ध० वा० य० यू० जा॥ ल० ग० गु० दि॥ जं० का० ग्रा० द्यु० क्का० क्का० द्यु० ग्रा० डा० जं॥
 आ० स० यू० जा॥ जं० व० न० द० न० या० दु० का॥ जं० का० अ० रु० ना० या० दु० का॥
 ॥ जं० ग्रा० वी० व० र० स० म० या० दु० का॥ जं० द्यु० स० र्व० ज० न० मा० रु० नि० या० दु० का॥
 जं० क्का० य० र्व० या० दु० का॥ जं० क्का० या० दु० का॥ ॥ मा० रु० नी० रु० य॥
 मा० रु० नी० य॥ ०७॥ ॥ य० श्र० व० लि॥ जं० वा० व० द० क० ना० थ० य० व० लि॥

वंगगननलवृमंक्षययथागिनीश्चामुष्टावधुनूयाद्विन
 लयहर्माविद्युहार्वगर्भार्ग।यूष्याथैह्यदीयामिषमधूवलि
 लोवर्द्धिर्गर्भविगामयक्ष्णयूजकानाददधुविनसर्धुंयुकि
 मूर्किंयदागा॥ ॥गर्भ्यदी॥न्यानश्चय॥श्रीसर्वलान्जः
 वाहनयाय॥गर्जनीदधुया॥निविन्दुगजमूर्द्धादर्धयत्॥॥

विश्वं न्यासा जंजुं हृदयादिषु न्यासः ॥ ॥ आसनी
जंजुं आधात्रा कययायू ॥ जंजुं अनका सनाये यायू ॥ जंजुं कंदायः
यायू ॥ जंजुं अकूलाय यायू ॥ जंजुं नात्राय यायू ॥ जंजुं यन्माय यायू
जंजुं यशाय यायू ॥ जंजुं कंगलाय यायू ॥ जंजुं कर्णिकाये यायू ॥
जंजुं सिंहासनाय यायू ॥ जंजुं महिषासनाये यायू ॥ जंजुं धुंरासः

नाये यायू ॥ जंजुं निधुंरासनाये यायू ॥ जंजुं डीयश्चयनासनाः
ये यायू ॥ ॥ ध्यान ॥ कामयुगमहो न जायुगमनादित्यवर्च
सा। तादात्र सनित्ता कालाय यन्मागसमयुग। सर्ववत्त विवि
र्गागा। शिवाकुरु विग्रहा। अष्टादश भुजा दिव्या नाना पुरु
वर्णा यगा। नाना वस्त्रा दवीर्षे वा कनान्य विद्यमान। स्व

यागांकुणसुखाकयालंकूलिगधर्ज।वर्थांगअनथाद्यंअन
वर्मवववयदा।रुठकंधन४यागांवखदाइंसककमपुल
।गुलनदलवीणवगदा।रिआरुवकवमपुववदुयित्वा
दु।सिनवूयपलीमगा॥ध्यानपूयांयादकांयू॥अवारुनादि
यूजा॥ ॥जिंजुंघीमहालेववीगुअधयोयाद्यंसमर्थ

यामिनम४॥अवर्जुघस्तानावमनंनन्दनसिन्दुनअदगय
यं४॥ ॥जिंजुंघीमहालेववीगुअधयोयाद्यंसमर्थ
वीरदात्रिकायेयायाअ॥ ॥जिंजुंघीमहालेववीगुअधयोयाद्यंसमर्थ
यामि॥३॥जिंजुंघीमहालेववीगुअधयोयाद्यंसमर्थ
॥जिंजुंघीमहालेववीगुअधयोयाद्यंसमर्थ

सर्वं कं स ४ डं नू उ नू य ड ४ या डू कां यू ॥ जं व डू कू डि नीं डू
ये ला का क र्वे ला डी का मां ग डा व नी कू मूं म हा का र का व ना जं
सो स ४ प्रा या यू ॥ जं न मा र ग व नी डू कू डि का ये जं डी डू घा वः
अ धा व अ धा वा मू खि चं डी कि नि २ वि चं या यू ॥ जं न मा र ग
व नी डू कू डि का ये डू मूं डू द अ न म अ धा वा मू खि चं डी

कि नि २ वि चं या यू ॥ जं न मा र ग व नी सि डू डू डू कू डि कः
डू डू डू खी ग जं घा व अ धा वा मू खि चं डी कि नि वि चं या यू
॥ न ना व डू आ दि यू जा ॥ जं हं सा स ना य या यू ॥ जं व वा स नाः
य या यू ॥ जं म यू ना स ना य या यू ॥ जं ग नू ज स ना य या यू ॥ जं
मा रि वा स ना य या यू ॥ जं ग जा स ना य या यू ॥ जं य ना स ना य या

यू॥ जं॥ सिंहासनाय यायू॥ ॥ जं॥ वेङ्काटेश्वराय यायू॥ जं॥
केशवाय यायू॥ जं॥ चक्रेश्वराय यायू॥ जं॥ देवेश्वराय
यायू॥ जं॥ गंगाधाराय यायू॥ जं॥ यं॥ नृणां विश्वया
यू॥ जं॥ यं॥ वामदेवाय यायू॥ जं॥ सैमहात्म्याय यायू॥ ॥ नमः
वन्द्यादि॥ ॥ गङ्गाय यायू॥ जं॥ हं॥ जयाय यायू॥ जं॥

देवाय यायू॥ जं॥ गं॥ अजिनाय यायू॥ जं॥ लं॥ अयराजिनाय
यायू॥ जं॥ मं॥ जं॥ रं॥ नो यायू॥ जं॥ लं॥ रं॥ नो यायू॥ जं॥ वं॥ माहाय या
यू॥ जं॥ यं॥ आकर्षणाय यायू॥ जं॥ वं॥ लि॥ ॥ नमः जयाय यायू॥ ॥
जं॥ डी॥ व॥ रु॥ व॥ द्वि॥ या॥ गि॥ नी॥ ग॥ ल॥ थान॥ म॥ या॥ यू॥ व॥ लि॥ जं॥ डी॥ व॥ रु॥
व॥ द्वि॥ या॥ गि॥ नी॥ ग॥ ल॥ थान॥ व॥ लि॥ ग॥ द्र॥ ॥ सर्व॥ भा॥ कि॥ कृ॥ नृ॥ ॥ म॥ म॥ सि॥

ॐ कूर्चकुंडं रुद्रं स्वाहा ॥ आनिमडा ॥ विन्दुनामार्थं ॥ ॐ त्रिभु
व्यं श्रीयूजा ॥ ॥ गंगा उमरु रौत्र वयूजा ॥ त्रिंजं कुंदा दया दिव
उज्ज्वला ॥ आसनं ॥ त्रिंजं आधात्रयक ययायू ॥ त्रिंजं अनन्तासनाय
यायू ॥ त्रिंजं स्कंददासनाययायू ॥ त्रिंजं अंकुशायाययायू ॥ त्रिंजं नागायया
यू ॥ त्रिंजं यन्त्राययायू ॥ त्रिंजं यज्ञाययायू ॥ त्रिंजं केशवाययायू ॥ त्रिंजं

कार्तिकाययायू ॥ त्रिंजं सिंहसनाययायू ॥ त्रिंजं महिषासनाययायू ॥
यू ॥ त्रिंजं गंगासनाययायू ॥ त्रिंजं निगुंतासनाययायू ॥ त्रिंजं शवास
नाययायू ॥ त्रिंजं सूर्यासनाययायू ॥ ॥ ध्यान ॥ नीलाश्विनमहा
गजं त्रिनयनं यदि गम्यते । मृगुमालाधरं त्रोटं गजवर्मावधुं
नमः ॥ ध्यानयुष्मिन्मयायू ॥ आवाहनादिनिगुलमूला ॥ ॥

मालागवनि सिद्धं कुं कुं कू डिकुं कुं कुं ह्रीं स्वागतेन्यात्र अथा
वामुखिं ह्रीं ह्रीं किं निश्चिन्तयायु॥ धनं वलि॥ ॥ गंगा
असिना मादियुजा॥ जेजं अं अग्निना हरे नवाययायु॥ जेजं हूं नृ
रे नवाययायु॥ जेजं उं वज्रु रे नवाययायु॥ जेजं मं का धरे नवाय
यायु॥ जेजं उं उन्मरु रे नवाययायु॥ जेजं जं कयाली मरे नवायया

यु॥ जेजं उं ली वगरे नवाययायु॥ जेजं अं संहार रे नवायया
यु॥ धनं वलि॥ ॥ गंगा रुद्र कोदियुजा॥ जेजं रुद्र रुद्र रे नवा
ययायु॥ जेजं शिवान्न करे नवाययायु॥ जेजं अग्निवता नरे न
वाययायु॥ जेजं अग्नि डिक्क रे नवाययायु॥ जेजं का नाद रे नवा
ययायु॥ जेजं कायाली गरे नवाययायु॥ जेजं जं कयाद रे नवाय



1.129

MS. A. 1.129

वायू॥ जें जं लीम नूय रें व वाय वायू॥ जें जं हाठ क रें व वाय वायू॥ जें जं
जुव व रें व वाय वायू॥ जें जं मघ लासू व रें व वाय वायू॥ जं मं थं ४ वलि
गृह २ स्वाहा॥ जें जं उं डों डीं दूं हूं हूं हूं हूं नील॥ उं मूठ सें कां ग घा व
दहा ग या न क उं हं क ग सू व का द हं ग या ल व का द वा सर्व विद्याः
जा ग य २ वलि गृह २ स्वाहा॥ आ वा रु ना दि वि गू व मू डीं दर्ज य २

वि (ग व मा ल का या वि या) ॥ अं लि ॥ स ल्ग न यू जा ॥ ॥ ग मा या मं गु व
दू क ग ल्ग न यू जा ॥ ॥ व लि मा व थ न ॥ जें जं दों दं ग या ला य व लि
गृह २ स्वाहा॥ जें जं वा व यु क ना थ य व लि गृह २ स्वाहा॥ जें जं गं ग न
य ग य व लि गृह २ स्वाहा॥ जें जं दूं म हा का ला य व लि गृह २ स्वाहा
॥ जें जं दूं म हा सि दि या मं गु य व लि गृह २ स्वाहा॥ जें जं क न वी र ग म

आनायवर्लिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ तिं ५ आकाशवात्रिणावायूषी १० वर्लिं
गृह्ण २ स्वाहा ॥ तिं ५ सर्वेत्यादवत्यावर्लिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ तिं ५ सर्वेत्या
हमत्यावर्लिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ तिं ५ रुद्रमुखादिगराण्यावर्लिं गृह्ण २ स्वा
हा ॥ तिं ५ अग्निनाडादिगराण्यावर्लिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ तिं ५ वक्राण्या
दिमागृगराण्यावर्लिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ तिं ५ मूडवधुदिगराण्याव

र्लिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ तिं ५ ऊयादिगराण्या गृह्ण २ स्वाहा ॥ तिं ५ हर्षुवः
स्वः वर्लिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ तिं ५ मं ॥ मं ॥ मं ॥ ममद्विनायगा
स्वर्थ आगूकामनार्थवर्लिं गृह्ण २ स्वाहा ॥
समयवर्लिंदया ७ ॥ तिं ५ सर्व ॥ १० ॥ यया भानिघात्रा
यदात्रभवया कथायक्ष्णसंदाह सर्वदिगंगमंस्तिनायागिना

थागवीत्रन्दाऽसर्वगणसमागताऽद्वयैवमहावैकुण्ठानाथाः
ववदाममायगच्छासासनद्वीगुत्रयदाञ्चनत्रगाऽसर्वसिद्धि
यसादामदविगयांरुवत्सदावीत्राणांआगिनानावयविविनि
महागलागणगणकमर्लिंदवीसमयायालमलकधूमिस्मृतिम
नऽयुष्टिसांसमदाऽस्तिजाविर्गानिदुर्गजमुद्रक्षानायागिनीग

वासंकुलं।कूकूकादिकस्यप्रादिदूर्निमिकाइविगा।निदुर्गयमु
द्रक्षानायागिनीगणसंकुला।उकात्रादिष्ययीभक्त्यमात्रायुकी
लिगाभउवधाधायुसंदाहादगमसूविदसासूवामहीयागालवुक्ता
।उसर्वस्मनान्कत्रयूव।यागिनीयागयूकान्मासत्यमिष्टनुसाध
का।वीत्रकर्मसूवीत्रन्दाऽसत्यमिष्टनिदवगाऽसिद्धाष्टयूयः

कावायो साधकादि निमायिन भानगत्र वाथ ग्राम वा मूरव्या
वासत्रिदत्र वायी कूर्यक वृक्ष वा मशान मा नृ मधुना नाना वृः
यधमान्य विषय जा वि विधानि च ॥ गत्र सर्व विमरुष्टा वार्त्ति गृह
नुमसदा ॥ मत्रणा गगा हंगयां सर्वभगत् लुनयुदं ॥ याल द्यंज
नया कर्म यत्क वि कामिय लुर्ग वलियू ययदानन संतुष्टा म

मायि निका ॥ सर्व कर्मा नि सिद्धि नु सर्वदा ययसा तुम ॥ निवहा
किय सादा भकूला नान नमा म्य हं ॥ म्मि समय वारि ॥ ॥
आवाहना दि यानि मडां दर्शय ॥ च न्त सिन्धु न अद ग नाना यय ॥ ग
गाधय ॥ जंज अयु मी यु पुत्री येव क र्यु रं मृग ना रुक ॥ धूय वा स ग्य स
वर्षी धूयार्चयु नि गृह मर्गा ॥ ॥ दाय ॥ जंज सय का गय द न्दी र्य सर्व

शुनिमि वायहं । सदा सायन न रं आनि दीया यं युनि गृह्ण गां ॥ ॥
नेव या जे ज अन्न मरु व र्म दि र्वा र्म ४ व दि स म न्नि र्ग । म या नि व दि
कं तु र्वा गृहा ण य व म ग्ध री ॥ ॥ रु ल ना म्बू ला जे ज ना वि क र्म व
रु र्वा ग्म म्बू लं य व र्म ग था । अ म्बू दा डि म्बू ज म्बू र्वा ला यं यु नि गृह्ण
गां ॥ ॥ रु र्वा ग्म म्बू ल य धू य दी य ने व या दि र्म क ल्प उ य र्धो क

गां ॥ अ ग्म म्बू दि ॥ अन्न र्म क ल्प अ क्ति ड म म्बू ॥ उ ल धा वा यां ॥ ॥
जा य ॥ जे ज र्वा र्म क र्वा ला य म्बू दा ॥ जे ज र्वा र्म क र्वा ला ॥ जे ज र्वा र्म क र्वा
दा ॥ जे ज र्वा र्म क र्वा र १०८ ॥ म पु ल क्ता ग ॥ म र्वा र्म क र्वा ॥ वि द व या ॥ म
दा मा या ॥ १०८ न मा गु म्बू ग्ध र्वा ॥ उ र्वा र्म क र्वा ॥ उ र्वा र्म क र्वा ॥ वि द व या ॥ म
म ग ल य वि र्म यी ० न या व र्म क र्वा र्वा र्म क र्वा गु म्बू क र्वा य गु य नि म्बू

वगा रे व वी म रु यू का वो डा या दर्शनानां यत्र मयत्र मदा स्य स्यमा
जाय सिद्धावुक्ता व्याया गिता र्ज्ञे र्ज्ञे य गि व दू के ४ मयगा नान
मा मि ॥ गुच्छ गी य द्म स र्ज्ञा गि व द न ध नाला दिका स ड सा राः
शु कारु र्ज्ञा द्वि व न्धु त्वा सि ख ग न्धु नि क व दू क र्ज्ञे स व र्ज्ञे द क य
व्धव व र्ज्ञे व गि र्ज्ञे ल ध न ४ या गि ख द्वा द्व क र्ज्ञे गी र्ज्ञे ल मो द्व र्ज्ञे वी

वा रु य म यि य रु ऊ गां सदा वाम रु र्ज्ञा गुच्छ र्ज्ञे म द्वा रा गी नि
ह्य व र्ज्ञे य गो व गी न या ल र्ज्ञा स दानो मि रु य द्वा वान्क का रिणी ॥
कामा र्ज्ञा व व द्वा द वी नी व य र्ज्ञे व सि नी सा द वी ज ग र्ज्ञा मा गा या
नि मू ड न मा रु ग ॥ वो डा ना मा र्ज्ञे ता रा त्वा म सि रु ग व गी इ म रु वानां
गि वा र्ज्ञा व का र्ज्ञा को लि कानां रु ग स क ल वि य त्या नि नी स र्ज्ञे ना

ना। गायत्री वेदि कानां पुकृति विनिमिसदा विष्णुना सांख्य कानां स
यं वासी सुदवी वद विविह न दाद वीइ (नैत्यमव॥ कायन वावा
मनस विवेका दूया नना वायु कृति स्वसावा॥ कनामिय रुसक
लं दु दु र्य सुक श्वत्री द वि समर्थ यामि॥ ॐ गी श्री गुप्ता श्वत्री स्ताः
गुं समा ४॥ ॥ अगुगन्धादि॥ नमस्कात्र॥ ॥ समय दाय ॥

व। लि सदा काद॥ द व र्क दाय॥ न र्क नयाय॥ ॥ गता वृषिय
जा॥ वा। ये स य न। सिन्दु न अद ग य व॥ गिया अलि॥ वेक का। लि २
व क श्वत्री मोरु द गुं य नम ४॥ ३ ॥ कल व काया व वा यि सुगात्र न॥
क ४ अस्तु य रुट्॥ ॥ धन या ल म यूजा॥ य शुद व्या (य र्क दाय॥ य
शुल ख न दाय॥ य न नादि न ग व र्क॥ अद ग य व॥ यूज य ७॥ धू य॥

दीया ॥ ने वय ॥ म्हा ॥ यद्युमकु कन ऊवद्र सयागस ॥ गाय ॥ य
शुवाभाय विद्रुद विश्व कर्माय धीमहि नमो जीवयंथा दया ॥ कन
सकायाव वाकं याय ॥ अशादि ॥ म्हाय शि व म्हाय ॥ म्हाय द्रुय दय मा
हामाया ॥ द व म्हादि भगय ॥ अशु गन्धादि ॥ वा क न म्हाय ॥ गव्यः
जयाय ॥ अया र्य यागद दि भ विरय ॥ ~~द व म्हा~~ ॥ द व म्हा

नी स ग न म्हाय ॥ अविमव ॥ चन्दन सिन्दूर म्हा नी स ग न ॥ स्या
नकाकाय ॥ समय विरय ॥ गव्य जयाय ॥ न्या मयाय ॥ वालि रथय ॥ स
र्यसा दि भ य ॥ युसादकाय ॥ शाशु क र्य कान् ॥ ७ ॥ म्हा मि यी युध
भमीयूजा विधि स माय ॥ ७ ॥ ७ ॥ ॥

ॐ नमः श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॥ एक उवाच ॥ श्रुत्वा गितं
मूखादगन्नाममहसहस्रकं । यत्तच्छ्रुत्वा महादवामयावकलः
॥ गुरुव ॥ ॥ दददवमहादवकुहिमस्मात्तुमूकमं । गुह्यं
यामाहातागं । शुभिसिद्धमिदं त्वगं ॥ ॥ ॥ गुरुं श्रुत्वा उवाच ॥
धृत्वममहायुक्ता गुह्यं यामयादिनां । सर्वथा यद्वदं यत्तु नाः

वामक्षारुर्मंगमं॥३॥मृषितस्यस्वर्यंरूडश्रुदागायत्रिभवथायु
 मगादवगावीर्जुंनमःकीलकंगथा॥४॥युहायासिनीगकि
 मुविनियोगःयुकिकिगः॥५॥युक्कध्वरीयुक्कमागायुक्कयुक्क
 लिनागिनी॥६॥दविदवस्वदादयादवगंधर्वसविना।राव
 गीरास्वगीमात्रामवृक्षादित्यसंनिरा॥७॥कालिकलावगीकान्ता

युवर्षु यशु नायिका ॥ १० ॥ यशुवर्षु यशुवर्षु यशुवर्षु यशुवर्षु
नी ॥ विष्णुवर्षु विष्णुवर्षु विष्णुवर्षु विष्णुवर्षु ॥ ११ ॥ गङ्गावर्षु
दावर्षु गङ्गावर्षु गङ्गावर्षु गङ्गावर्षु ॥ मातङ्गावर्षु मातङ्गावर्षु
मायावर्षु मायावर्षु ॥ १२ ॥ सिद्धि लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी
सिनी ॥ कूलवर्षु कूलवर्षु कूलवर्षु कूलवर्षु ॥ १३ ॥ काम

ध्वनी काममागा कामदाक मल ध्वनी । माधि काव सिका साया सध्वक
 ल्या न दूयिजा ॥ १४ ॥ न न्यात गव गिर लया धव धा धर्म वद्विनीः
 या नूव म्य क माला छा जूमला जूमल ध्वनी ॥ १५ ॥ यू र्ध्व य न्द नि गो
 डी नूड णा नूड मा दिनी । वा क्री तु म मयी वक्रा न न्द वूयान प्र ध्व
 नी ॥ १६ ॥ सा दी लो गे त मी र मी य श्र मी व सनी व ती । वा श्रि नी तु

वनगान्तीप्रवर्णीयद्वलायना॥१॥वाजिद्वयान्वदनागुक्कमद्यु
लवलिनी॥अक्षरुत्रगर्गनाम्रागुक्कश्वामहामन॥१८॥ग
यनिर्ययुयत्ननमवस्रह्युकी॥किर्नाय२०दाया॥०यद्वायि॥
०याद्वायिमानव॥१९॥सर्वयायहर्गयूर्ध्वयुकाश्चकथंय
न॥य१०॥त्यागवृत्तायणीवारंनियम१॥२०॥गुक्कश्च

यो यसादनवत्सनास्तकविहवत् ॥ २१ ॥ ॐ गिधास्तं दयनाल्य
हिमवत्सवत्सुगुक्तधत्री अक्षरवत्सनामस्तु समार्य ॥ ॥

ॐ नमो हा का ली नम ॥ मृतक सो चं वि
वो सो चं वि वि सो चं क न न म न ॥ मृत
क सो चं मृतक सो चं काले ने व य वं धते

ASHA ARCHIVES

आशा अरुणेशि

1.129

ASHA ARCHIVES